[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 5219 **F** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 241562

Name of the Paper : HRM : 4(a) Organisational Behaviour

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Human Resource Management**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **all** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न कीजिए।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. "The term 'organisational behaviour' is a misnomer." Do you agree with the statement ? Explain, in this context, the multi-disciplinary nature and scope of organisational behaviour. (15)

OR

"Organisational behaviour is an exciting field of study which helps the managers to effectively harnessing the potential of human capital in the achievement of organisational goals". Explain role of organisational behaviour in support of the above statement.

P.T.O.

संगठनात्मक व्यवहार शब्द एक मिथ्यानाम है ? आप क्या इस कथन से सहमत हैं ? इस संदर्भ में संगठनात्मक व्यवहार के बहुविषयी लक्षणों एवं कार्य क्षेत्रों का वर्णन कीजिए ।

अथवा

"संगठनात्मक व्यवहार एक रोमांचक विषय है जो की मानविय शक्सता को प्रभावी ढंग से प्रयोग करने में प्रबंधकों को मदद करता है ।" इस कथन का समर्थन करते हुए संगठनात्मक व्यवहार की भूमिका व क्षेत्र का वर्णन कीजिए ।

2. "Quite often persons, objects and ideas become associated in the mind of an individual and as a result attitudes become multidimensional and complex." Explain the statement with reference to the nature of attitude. (15)

OR

Attitude and perception are complementary to each other. Do you agree ? Explain with illustrations.

मनुष्य के मस्तिष्क में मानव, वस्तु अथवा विचार अक्सर जुड़े हुए होते हैं वसरतें नतिजेतन रुझान बहुमूखि एवं जटिल वन जाता है । रुझानों का प्रकृति के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

"रुझान व अवबोध एक दूसरे के अनुपूरक हैं ।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? उदाहरण के साथ व्याख्या कीजिए ।

3. What is social perception ? Why this is highly amenable and almost akin to perceptual distortion ? Discuss the various methods to remove the distortion from perception. (15)

OR

"Human beings are continuously encircled by a large number of motives, excitements and stimuli in the environment. He accepts them selectively, judges them according to his own knowledge and awareness, reacts and behaves according to his own perception." Explain the statement by exhibiting in the process of perception.

सामाजिक अवबोध क्या है ? यह क्यों अवबोधात्मक विकृति के वसवर्ती व अवबोधात्मक त्रुटी के समान जैसा है ? इसे अवबोधात्मक के दायरे से बाहर निकालने के उपाय बताइए ।

अथवा

"मनुष्य वातावरण में निरन्तर अनेक प्रेरकों, उत्तेजकों, उद्दीपकों से घिरा रहता है । वह उन्हें चयन करते हुए ग्रहण करता है, उनकी अपने संज्ञान के अनुरूप विवेचना करता है तथा अपने अवबोध के अनुसार प्रतिक्रिया एवं व्यवहार करता है ।" अवबोध प्रक्रिया को दर्शाते हुए इस कथन की व्याख्या कीजिए ।

4. "Interest in development of worker's personality is considered as the best practice in management of human resources." Justify the truth of the statement. (15)

OR

Whether personality is inborn or learnt ? Explain the position according to your own judgment. (15)

"कर्मचारियों के व्यक्तित्व विकास में रुचि मानवीय संसाधनों के सबसे उत्कृष्ट प्रबन्धकिय पद्धति माना जाता है ।" इस कथन की सत्यता प्रतिपादन कीजिए ।

अथवा

व्यक्तित्व क्या जन्मजात है या अर्जित प्रवृत्तियों का समाहार है, यह एक विवादास्पद तथ्य है । इस कथन पर अपना विचार व्यक्त कीजिए ।

5. Write short note on any **three** of the following : (5 marks each)

(a) Perceptual selectivity

(b) Personality Type theory

(c) Defensive attitude

(d) Self concept

(e) Mirroring

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :

(क) बोधात्मक चयन

(ख) व्यक्तित्व प्रसार विचारधाराएँ

(ग) रुझान की बचाव

(घ) आत्मअवधारणा

(ङ) प्रतिबिम्बित करना